कुनो राष्ट्रीय उद्यान का चीता भटककर राजस्थान पहुँचा

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के **कूनो राष्ट्रीय उद्यान** **के** **चीतों** में से एक लगभग 50 किमी. तक भटकता हुआ **राजस्थान के करौली** में पहुँच गया।

- हालाँकि उसे शांत कर दिया गया और उसी शाम सुरक्षित वापस लौटा दिया गया।

मुख्य बिंदु:

- **वन विभाग** के अधिकारियों के अनुसार चीता ने संभवतः **चंबल नदी** के रास्ते का अनुसरण किया है जो मध्य प्रदेश और राजस्थान के करौली से होकर बहती है।
    - यह भारत की सबसे **प्रदूषण मुक्त नदियों** में से एक है।
    - यह 960 किमी. लंबी नदी है जो **विंध्य पर्वत** (इंदौर, मध्य प्रदेश) के उत्तरी ढलानों में **सिंगर चौरी चोटी** से निकलती है। वहाँ से यह मध्य प्रदेश में **उत्तर दिशा** में लगभग 346 किमी. तक बहती है और फिर राजस्थान में प्रवेश कर 225 किमी. **उत्तर-पूर्व दिशा** में प्रवाहित होती है।
    - यह यू.पी. के इटावा ज़िले में **यमुना नदी** में मिलने से पहले लगभग 32 किमी. तक बहती है।
    - यह एक वर्षा सिंचित नदी है और इसका बेसिन **विंध्य** पर्वत शृंखलाओं और **अरावली** से घिरा हुआ है। चंबल और उसकी सहायक नदियाँ उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के **मालवा क्षेत्र** में बहती हैं।
    - **सहायक नदियाँ**: बनास, काली सिंध, पार्वती।
    - **मुख्य विद्युत परियोजनाएँ/बाँध:** गांधी सागर बाँध, राणा प्रताप सागर बाँध, जवाहर सागर बाँध और कोटा बैराज।
    - राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य **राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ट्राई-जंक्शन पर चंबल नदी** के किनारे स्थित है। यह **गंभीर रूप से लुप्तप्राय घड़ियाल, रेड क्राउन रूफ टर्टल और लुप्तप्राय गंगा नदी डॉल्फिन के लिये जाना जाता है।**

// 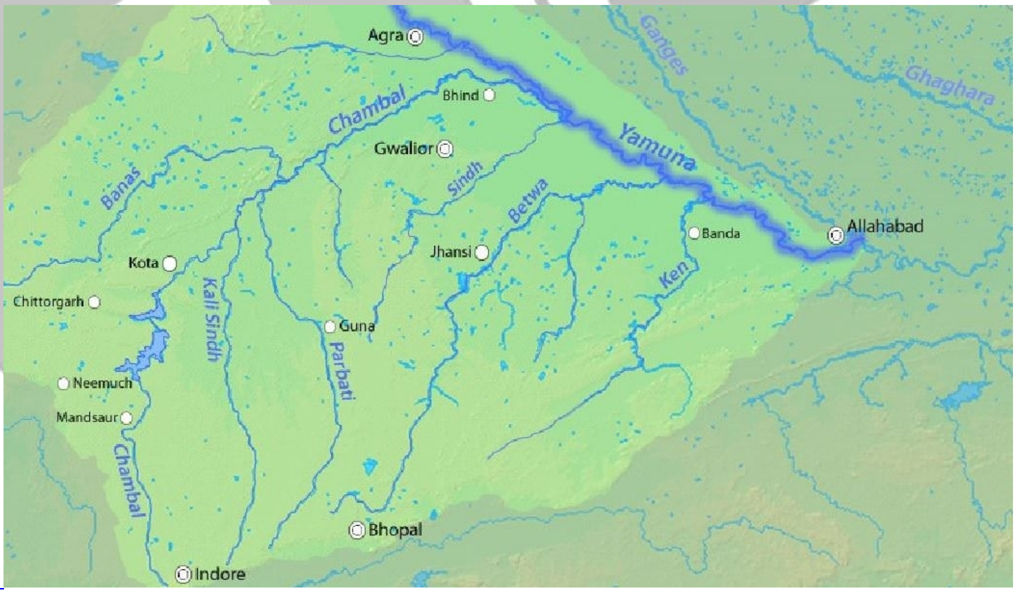

चीता (Cheetah)

सामान्य नाम: **एशियाई चीता**

वैज्ञानिक नाम: ***एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)***

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:*** **सुभेद्य (Vulnerable)**
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल **12** चीते शेष हैं।*
- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:*** ***घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)***

एशियाई चीता

अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष **2009** में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को **मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।**

दृष्टि The Vision

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kuno-cheetah-captured-in-rajasthan